कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MVS–003

एम. ए. वैदिक अध्ययन (एम. ए. वी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.वी.एस.–003 : आरण्यक एवं उपनिषद्

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 15 अंक निर्धारित है।*

$4 \times 15 = 60$

1. छान्दोग्य उपनिषद् के सातवें अध्याय की विषयवस्तु का उल्लेख कीजिए।

2. वृहदारण्यक के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

3. नारद सनत्कुमार संवाद का वर्णन कीजिए।

4. केनोपनिषद् में क्या वर्णित है ? अपने शब्दों में लिखिए।

5. पठित अंश के आधार पर तैत्तिरीय आरण्यक की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।

6. छान्दोग्य उपनिषद् के चतुर्थ अध्याय में क्या वर्णन किया गया है ? उल्लेख कीजिए।

7. ईशावास्योपनिषद् के आधार पर विद्या और अविद्या की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

8. मुण्डकोपनिषद् के प्रतिपाद्य पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित है।*

$4 \times 10 = 40$

1. प्रश्नोपनिषद् के प्रतिपाद्य पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

2. तैत्तिरीय उपनिषद् की ब्रह्मानन्द वल्ली पर टिप्पणी लिखिए।

3. कठोपनिषद् के आधार पर नचिकेता का वर्णन कीजिए।

4. ईशावास्योपनिषद् के मन्त्र सं. 10 की व्याख्या कीजिए।

अथवा

पठित अंश के आधार पर ईशावास्योपनिषद् का सारांश लिखिए।

5. माण्डूक्य उपनिषद् की विषयवस्तु का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

6. पठित अंश के आधार पर सूर्योपासना का वर्णन कीजिए।

7. कूष्माण्ड होम से आप क्या समझते हैं ? उल्लेख कीजिए।

8. मुण्डकोपनिषद् के द्वितीय अध्याय की विषयवस्तु का वर्णन कीजिए।